विषय: सोशियल मीडिया खतरा है क्या?

किस्से सिर्फ खतरे के ही नहीं!

हमारा समाज बहुत ही विकसित हो चुका बहुत ही निचले इलाके से उठकर हम ऊपरी हिस्से मे आने लगे है। और ऐसे एक समाज मे हमारे जीवन के अविभाज्य हिस्सा इन सोशियल मीडियाओं ने ले रखा हैं।

अत्यंत सोचने की बात है यह कि क्या सोशियल मीडिया हमारेलिए खतरा है या नही? इस बात का कि हमें इस चीज़ की मानो लत ही लग गई है मुझे तो अब कोई भी शक न बचा है ~~अब~~। क्योंकि कल ही यहाँ के कार्यक्रम देख पैदल लौट रही थी तो ~~मुझे~~ वहाँ की ~~ट~~ ट्राफिक ब्लोक देखकर चौंक ही गई क्योंकि बस सिर्फ 2 ~~म~~ पल के लिए भी उस ब्लोक मे लोग अपने मोबइल पर लगे हुए है और उसी वक्त मैंने कई ऐसे लोगों को भी सुबह यहाँ पहुँचकर देखा जो इसी चीज़ का इस्तेमाल करके पढ रहे थे, ~~अब~~ तैयार हो रहे चुनौती के लिए। कहते है न जब एक सिक्का हो तो तब जरूर ही उसके दो पहलू होंगे। बिलकुल उसी तरह ही है यह सोशियल

मीडिया। पर अफसोस तो इस बात का है कि इसका ~~इसे~~ इसतेमाल लोग अच्छे काम करने से ज्यादा शायद आजकल बुरी चीजों के लिए करते है। जब भी कोई इनसान कुछ नया बनाता है वह उसे सबके भलाई के लिए ही बनाते है मगर शायद यह मानव वर्ग की ही कमी है कि हम उसमे भी बुराई ~~है~~ खोजने मे ज्यादा तात्पर्य दिखाते है। जब ~~आइस्टैन~~ एनस्टीन ने न्यूक्लियार फिश्शन खोज निकाला था तब भी उन्होने शायद सपने में भी यह नही सोचा होगा कि उससे हम आटंबॉंब बनानेवाले थे। सोशियल मीडिया भी बिलकुल इसी तरह है। क्योंकि इन्हे बनाए गए तो हमारे अच्छाई, मनोरंजन, विज्ञान बढाने आदी के लिए है मगर अफसोस इसमें भी हम खतरा छुपाने लगे है!

अभी कुछ दिनों पहले ही एसे कुछ ~~ख~~ घटनाएँ हुई है जो इन सोशियल मीडियाओं का ताकत जता रहा है। सिर्फ ताकत नही, भयानक शक्ति है उसमें। सभी ने सुना ही होगा, अभी कुछ दिन पहले एक स्कूल में ~~ख~~ शिक्षक ने विद्यार्थी को साँप के काटनेपर भी एकबार देखने या अस्पताल ले जाने से मना करने पर

पहला, एक ~~बारह~~ ~~स~~ छोटी बच्ची की मृत्यु हो गई। यह संभव तो मानो पूरे सोशियल मीडिया को ही हिला दिया। लोगों की आवाजे उठने लगें। जब सवालें उठने लगे तो सिर्फ उस शिक्षक पर ही नही बल्कि पूरे केरल के शिक्षकों पर उँगलिया उठने लगे। जो मूँह खोलकर चार लोगों के सामने एक शब्द भी न कहपाता है वह भी सोशियल मीडिया पे पूरे केरल के अध्यापकों पे आवाज उठाने लगा! यह है सोशियल मीडिया का एक ~~खत~~ खतरा। वह लोगों को अपने इशारों ~~स~~ पे नचाने की ताकत रखता है। और इसका नतीजा क्या हुआ, कई ईमान्दार, सच्चे और अच्छे अध्यापकों पे बिना किसी गलती के सवाल उठने लगे! और इनमें भी राष्ट्रीय बोलनेवाले कुछ अलग लोग!

आगे अगर कुछ और देखे तो पता चलेगा कि बस यही नही कई और भी खतरे है सोशियल मीडिया के। सोशियल मीडिया का उपयोग छोटे से लेकर बहुत बडी तरह की परेशानिया बनाता है। वह बहुत ही ~~ज~~ ज्यादा हमारा वक्त बरबाद करता है। और हमारे आँखो और

शरीर का भी नुकसा नुकसान करता है। इन सोशियल मीडिया के चाट्टिंग द्वारा न जाने कितने ज़िंदगीयाँ खतरे मे पड गई थी! मोमो, ब्लूवेल जैसे गेम भी इन्ही की तरह है। न जाने कितनो के बच्चे इसके शिकार बन गए। वह भी कोई ऐसी-वैसी खतरा नही बल्कि अपने ज़िंदगी का सवाल था! वह बहुत ही खतरनाक था और साथ ही चौकाने वाली बात यह थी कि जब इस गेम के बारे मे इन्ही सोशियल मीडिया मे इनके खिलाफ प्रचरण चल रहा था सब भी लोग इनके शिकार बन रहे थे! यह बहुत ही भयानक असलियत है कि हम चाहकर भी इनके कबज़े से निकल नही पाते है।

मेरे जैसे कई विद्यार्थियाँ भी आजकल इनके बिना अब रह नहीं पाते। यह बहुत ही ज्यादा उनके पढने का वक्त बर्बाद करता है। और साथ ही एक और बात है कि यह ~~उन्हें~~ उन्की पढने लिखने की इच्छा को भी पूरी तरह मिटा देता है। कई पढाईओं से साबित हुआ था कि कितना भी अच्छे से पढता बच्चा हो उसे अगर सोशियल मीडिया की आदत हो गई तो उसका

की पढाई से पूरी तरह मन हट जाना है। सोशियल मीडिया के मदद से प्रसिद्ध हुए कई सारे व्यक्तियाँ है और हम भी अगर चाहे तो ऐसे ही बन सकते है अगर हम में कुछ अनोखे काबिलियत हो तो। मगर डर लगने लगा है अब क्योंकि जो लोग कहते है न इनके बारे में! किसने भी अच्छा इनसान हो लोग उन्हे भी सोशियल मीडिया के सहायता से बबर्दि कर सकता है। हमारे तस्वीरे लेकर कौन क्या कर सकता है इसका शायद किसी को अँदाजा ही नही। बहतर होगा अगर कुछ बडे होने तक बच्चों को इन चीज़ो से दूर ही रखे। क्योंकि कई बार ऐसा भी हुआ है कि नई नई सोशियल मीडिया पे आकर अपने कई तस्वीरे उसमें डालकर बहुत बडी मुसीबत में फस गए। वह डर के मारे कुछ कर भी न पाँएगे! मगर वह कुछ बडे हो जाँएगे तो शायद उन्हे कुछ करने की समझदारी तो जरूर होगी।

सोशियल मीडिया मात्र बच्चों के लिए ही नही बल्कि बडों के लिए भी कई बार खतरा साबित हुआ है। कहने का साराँश बस इतना है कि बडा हो या छोटा सोशियल

मीडिया पे समान तरीके से सतर्क रहना चाहिए!

सोशियल मीडिया के अले ही कई बुराई है जैसे मैंने पहले कहाँ, इसका एक दूसरा पहलू भी है। यह दुनिया पूर्ण तरीके से बुरे लोगों से ग्रस्त हुआ नहीं है। कई सारे अच्छे लोग यहाँ रहते है। जो कुछ अभी ऊपर मैंने लिखे ~~है~~ उन सब का मतलब यह नहीं था कि कोई सोशियल मीडिया का इस्तेमाल करे। उसका बस इतना मतलब था कि सभी सतर्क रहे क्योंकि कुछ हान्से ऐसे हुए थे जो खतरनाक थे। अगर हम पहले से ही सतर्क रहेंगे तो इनकी संख्या बहुत ही काम हो जाएगी। हमें यह पहचानना होगा कि जो आदमी बस दो मिनुट पहले हमे मेस्सेज कर रहा था वह शायद ~~अभी~~ मर गया हो सकता है! क्योंकि हम नहीं जानते कि फोन के सामने बैठ कोन कैसा षडियंत्र रच रहा हो। हमारी इस वक्त के हमारी सतर्कता ही कई हान्सों से हमे बचा सकता है। ~~अब~~

बस एक बार अब नजरिया बदलकर देखे तो हमे कई ऐसे किस्से देखने को मिलेंगे जहाँ इसी सोशियल मीडिया को कैसे अच्छी तरीके से

इस्तेमाल किया गया है। बस एक बात ही शायद इसे बताने ~~कि~~ के लिए काफी होगा। बस इसी साल और पिछले साल जब हमारे राज्य मे अचानक बाड़ आई तो हम देख पाए थे कि इन सोशियल मीडियाओं ने कितनी ज्यादा मदद की। सोशियल मीडियाओं द्वारा प्रचरण कर लोग एक साथ जुड़कर एक दूसरे की मदद कर रहे थे। ऐसे वक्त पर जो सोशियल मीडिया ने किया वह कोई आम बात नहीं है। इसी तरह कई और भी है। जब लोग आजकल लापता होते हैं लोग पहले सोशियल मीडिया मे इसके बारे मे कहते है क्यों? क्योंकि आजकल अखबार और टि.वी से ज्यादा सोशियल मीडिया पर ही खबर जल्दी सबतक पहुँचता है। पर कई बार इसके एक अजीब बात यह है कि ~~आदम~~ आदमी को ढूँढ लिया होता है मगर फिर भी उनके लापता होने की खबर लोग षेर करते रहते है!

सोशियल मीडिया एक ऐसी जगह है जहाँ खबर जंगलीआग से भी तेज़ी से फैलता है। कई सच्चे होते है तो कुछ झूटे होते है। हमे इस बात का भी हमेशा ध्यान रखना चाहिए।

सोशियल मीडिया पे जो कुछ देखो उसका आँख बंद करके विश्वास करना खतरनाक हो सकता है। जब भी इनका हम ~~इस~~ इस्तेमाल कर रहे हो हमे इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि जो खबर हमे मिली हो उसकी पूरी तरह ~~से~~ जाँच करके ही हमें विश्वास करना चाहिए।

वापस अब हमारे सवाल पे लौट अते है। सोशियल मीडिया खतरा है क्या? मेरा यही मानना है कि सोशियल मीडिया खतरा नही है जो उसका इस्तेमाल सही तरह और सतर्कता से करते है। वह एक बहुत ही बडा खतरा है उन लोगों के लिए जो उसा सही तरह इस्तेमाल ~~नही~~ करना नहीं जानते और इनका आँख बंद करके भरोसा करते हैं।

एक बार फिर मैं इसी बात पर ज़ोर ~~दे~~ देना चाहूँ कि सोशियल मीडिया अगर आज एक खतरा बना है तो वह सिर्फ हमारे ही बीच के लोगों के वजह से है। वह एक खतरा बिलकुल भी नही बल्कि एक अच्छी जगह है जहाँ कोई खतरे नही अगर हम सभ यह प्रण ले लें कि मैं कभी भी इसका गलत इस्तेमाल नहीं करूँगा।

अब सब हमारे हाथों में है कि इसे अच्छा या बुरा बनाना है। शायद सभी ने देखा होगा कि जब भी हम किसी चीज के बारें में कहते है ज्यादातर उसकी बुराई ही ज्यादा बताते है। वो इसलिए है कि हम वह समझे और ऐसी गलती कभी न करे न कि हमें और वो इसलिए बिलकुल भी नही है कि हम उससे डरकर इसका इस्तेमाल करना छोड दे या इसलिए नही कि उसकि कोई अच्छाई नहीं है। तो बस यही कहना है कि खुद सतर्क रहो तो डरने की कोई भी बात नही है यह सोशियल मीडिया भी हमारे लिए सुरक्षित है।